बार्कले

सिड हॉफ



बार्कले

सिड हॉफ





बार्कले कुत्ता, सर्कस में नौकरी करता था.

वो चार अन्य कुत्तों के साथ लोगों को ट्रिक्स दिखाता था.

बार्कले अपने सामने के पैरों पर चलता था.

वो अपने पिछले पैरों पर भी चलता था.



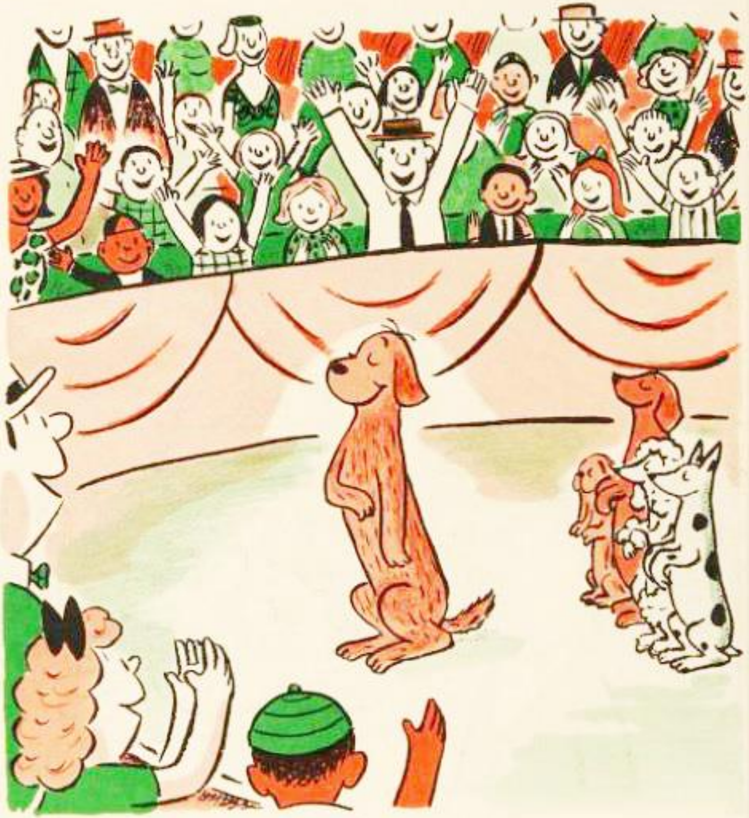


दूसरे कुत्ते बार्कले की पीठ पर खड़े होकर कूदते थे.

अगर कुत्तों में से कोई कुछ गलती करता, तो बार्कले उसपर भौंकता था!

जब कुत्ते रस्सी पर चलते तो

बार्कले हमेशा उनका लीडर होता था.

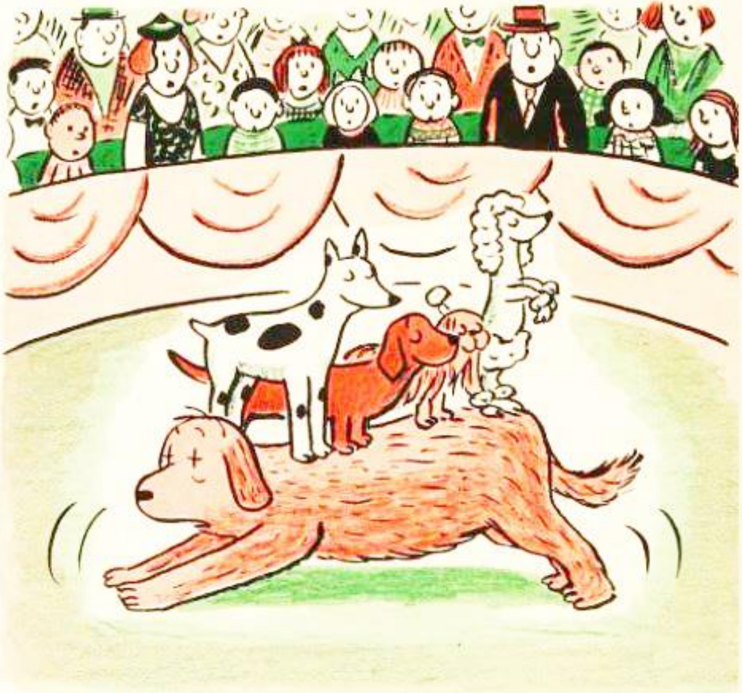


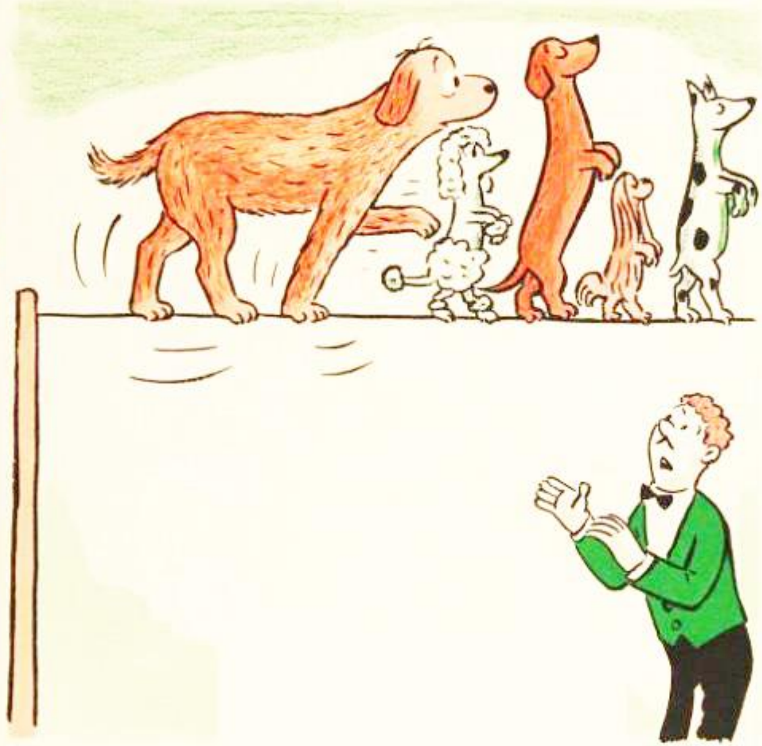
सभी लोग शो देखकर ताली बजाते और अपनी ख़ुशी ज़ाहिर करते थे. फिर बार्कले झुककर उनका अभिवादन करता था.



फिर बार्कले बच्चों के साथ खेलता था.

बार्कले को वो काम सबसे अच्छा लगता था.





लेकिन एक दिन, जब चार कुत्ते बार्कले की पीठ पर कूदे, तो उसे दर्द हुआ!

अगले दिन भी, बार्कले बहुत धीमी गति से चला.

दूसरे कुत्ते उससे आगे निकल गए.





"जल्द ही मैं ठीक हो जाऊंगा," बार्कले ने सोचा.

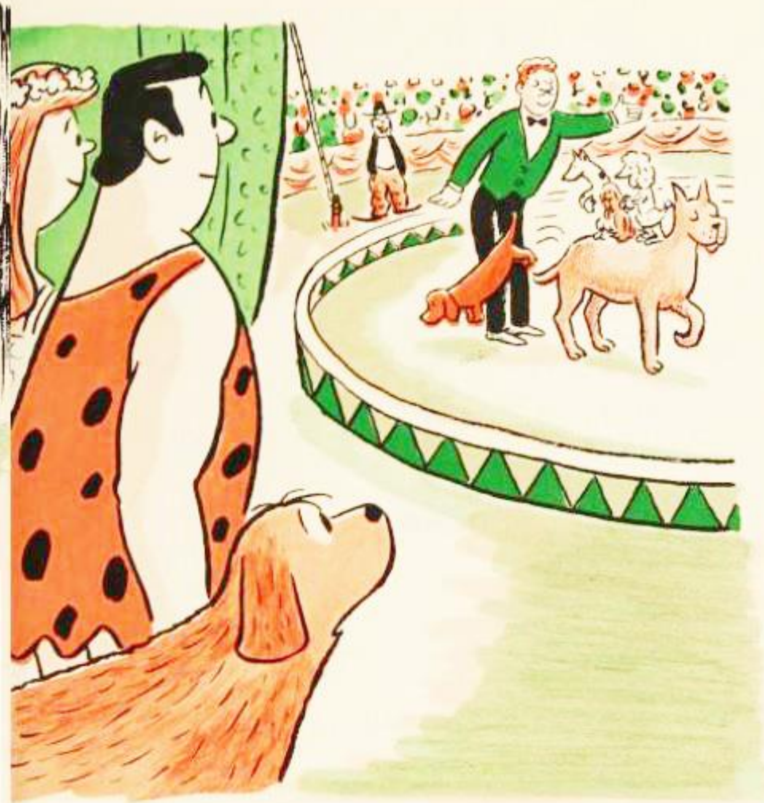
लेकिन वो लोगों के सामने झुक नहीं पाया.

वो बहुत थक गया था.

"मुझे लगता है कि तुम बूढ़े हो रहे हो,"
बार्कले के मालिक ने कहा.

"हम सभी के साथ ऐसा होता है."





अगले दिन, बार्कले के मालिक ने कहा, "मैं नहीं चाहता कि तुम्हें दर्द हो, इसलिए एक अन्य कुत्ता तुम्हारी जगह ले रहा है."

बार्कले ने दूसरे कुत्ते को अपनी ट्रिक्स करते हुए देखा.

दूसरे कुत्ते ने बहुत अच्छा प्रदर्शन दिखाया.



लेकिन बार्कले को लोगों की तालियों और उनकी जय-जयकार की बहुत याद आती थी.

लेकिन उसे सबसे ज्यादा बच्चों की याद आती थी.



"कुछ ऐसा ज़रूर होगा जो मैं कर सकता हूँ," उसने सोचा.

बार्कले ने सील्स के साथ काम करने की कोशिश की.

लेकिन वो अपनी नाक पर गेंद को टिका नहीं पाया.





उसने हाथियों से ट्रिक्स करने की कोशिश की.

लेकिन वो उनके रास्ते में सिर्फ अड़ंगा ही बना.

बार्कले ने, फ्लाइंग ट्रैपेज़ पर भी झूलने की कोशिश की.

लेकिन जब वह हवा में उड़ा तो किसी ने भी उसे नहीं पकड़ा!

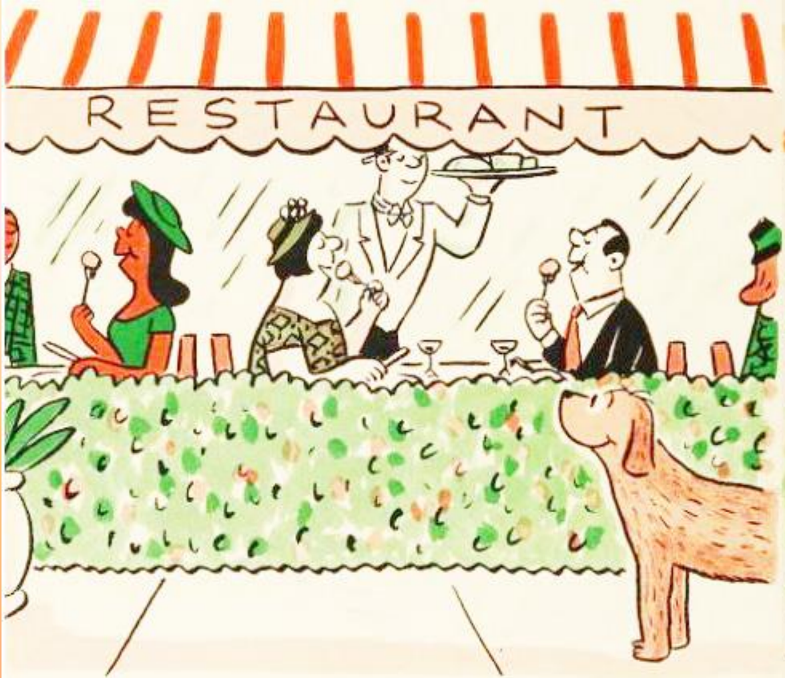


"मुझे लगता है कि मैं अब यहाँ पर कुछ भी नहीं कर सकता हूँ," उसने सोचा.

इसलिए, एक दिन जब कोई नहीं देख रहा था, तब बार्कले सर्कस छोड़कर चला गया.



वो चला और बहुत देर तक चला.





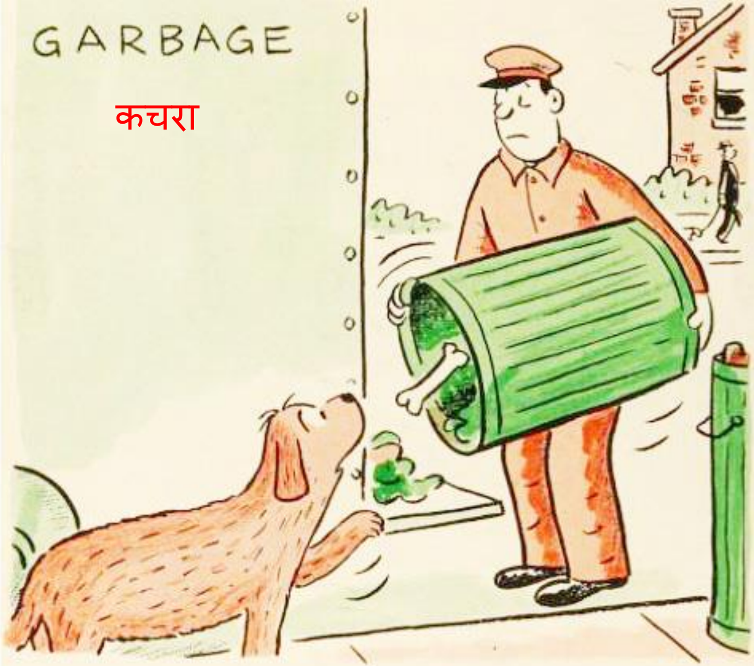
अंत में बार्कले थक गया और उसे भूख लगने लगी.

"अगर मैं एक ट्रिक दिखाऊं," उसने सोचा, "तो शायद कोई मुझे एक हड्डी दे."

फिर वो अपने सामने के पैरों पर चला.

वो अपने पिछले पैरों पर चला.

लेकिन किसी ने भी बार्कले को हड्डी नहीं दी.





उसे कचरे के डिब्बे में एक हड्डी दिखाई दी.

लेकिन तभी कोई आदमी आया और डिब्बे को उठाकर ले गया.

बार्कले ने सोचा, "लगता है किसी को भी सर्कस का बूढ़ा कुत्ता पसंद नहीं है."

फिर वो आराम करने के लिए एक मैदान में चला गया.



मैदान में कुछ बच्चे खेल रहे थे!

बार्कले, बच्चों को देख बहुत खुश हुआ.

उसने उन्हें कुछ ट्रिक्स दिखाईं.

बच्चे उसके साथ खेलते रहे और उन्होंने बार्कले को खाना और पानी दिया.

उन्हें बार्कले इतना पसंद आया कि वे उसे अपने साथ रखना चाहते थे.





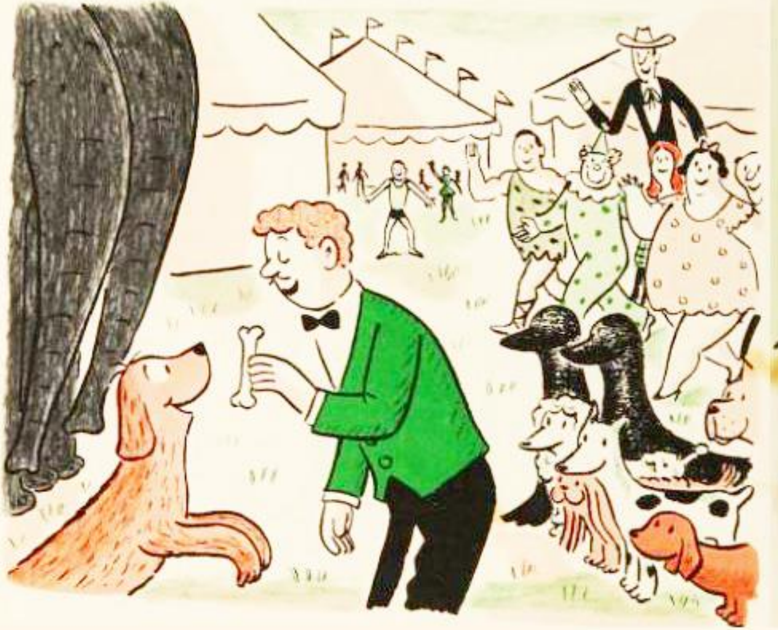
"हम तुम्हें नहीं रख सकते," एक लड़की ने कहा.

"तुम जैसे स्मार्ट कुत्ते के लिए केवल एक ही जगह है."

वो लड़की बार्कले को वापस सर्कस में ले गई!

"तुम इतने दिन कहाँ थे?" बार्कले के मालिक ने पूछा.

"मुझे तुम्हारी बहुत याद आई."





"मैं नहीं चाहता था कि तुम सर्कस छोड़कर जाओ. हमें तुम्हारी जरूरत है - तुम युवा कुत्तों को अपने गुर और ट्रिक्स सिखाओ."

उससे बार्कले बहुत खुश हुआ!

उसने अपना नया काम शुरू किया.

बार्कले ने युवा कुत्तों को अपनी चालें दिखाईं और उन्हें नई ट्रिक्स सिखायीं.

जब कोई कुत्ता कुछ गलती करता तो बार्कले उसपर भौंकता था.



अब बार्कले के पास बच्चों के साथ खेलने के लिए अधिक समय था.

और फिर बार्कले ने सर्कस कभी नहीं छोड़ा!

अंत